हिंदी पखवाड़ा-2015

रिपोर्ट

सरकारी निदेशों, मुख्यालय की अपेक्षाओं एवं कार्यालय की परंपरा के अनुसार दिनांक 01 सितंबर, 2015 से 14 सितंबर, 2015 तक राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का भव्य आयोजन धूमधाम से किया गया।

इस पखवाड़े के दौरान उद्घाटन और समापन समारोह सहित 09 प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों के गरिमापूर्ण आयोजन किए गए, जिनका संक्षिप्त विवरण अग्रलिखित है :-

<u>उद्घाटन समारोह</u>

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा-2015 के उद्घाटन समारोह की शुरूआत हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक द्वारा उद्घाटन कर्त्ता डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक को पुष्पगुच्छ से स्वागत किए जाने से हुई।

डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक की अध्यक्षता में सुंदर सकारात्मक माहौल में दिनांक 01 सितंबर, 2015 को उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह में परंपरागत दीप प्रज्वलित कर, क्षेत्रीय खान नियंत्रक डॉ. वाई. जी. काले द्वारा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा-2015 का विधिवत उद्घाटन किया गया।

स्वागत भाषण

अपने स्वागत भाषण में हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी॰ राम ने क्षेत्रीय खान नियंत्रक, डॉ. वाई. जी. काले के राजभाषा हिंदी प्रयोग के प्रति गहन लगाव की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा हिंदी के प्रति उनकी

आस्था को कार्यालय में राजभाषा के प्रति साकारात्मक माहौल के लिए प्रेरक बताया। श्री जी॰ राम ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से पखवाड़ा के कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। विशेष तौर पर उन्होंने हिंदीतर भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों को पखवाड़ा के गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाकर उनसे इस अवसर से लाभ उठाकर शासकीय कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ा सकने के लिए सुझाव दिया तथा अनुरोध किया। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि पखवाड़ा के दौरान सभी अधिकारी/कर्मचारी प्रत्येक दिवस को हिंदी कार्य दिवस के रूप में मनाएँ और तदनुसार टिप्पण/आलेखन में ज्यादा से ज्यादा हिंदी का प्रयोग कर वर्तमान तिमाही में हिंदी कार्य की मात्रा बढ़ाएँ, जो रिपोर्ट में परिलक्षित हो और इस राजभाषा हिंदी पखवाड़े की सार्थकता को रेखांकित करे। उद्घाटनकर्त्ता डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक तथा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को एक बार फिर हार्दिक स्वागत करते हुए श्री जी॰ राम ने अपने स्वागत भाषण को समाप्त किया।

अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. काले ने उद्घाटन समारोह में अधिकारियों/कर्मचारियों की अधिकतम उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उनसे पखवाड़ा पर्यंत सभी प्रतिस्पर्धाओं एवं कार्यक्रमों में इसी तरह बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि संविधान की संकल्पनाओं, राजभाषा विभाग के निदेशों, मुख्यालय की अपेक्षाओं और कार्यालय की आवश्यकताओं/लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी में काम करने के लिए इस वर्ष का हिंदी पखवाड़ा आयोजन हमारे लिए महत्वपूर्ण और

मददगार साबित होगा तथा राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में इस कार्यालय ने जो मुकाम हासिल किया है, जो कृतिमान स्थापित किया है उसे बरकार रखने में ही नहीं अपितु उसमें और भी अभिवृद्धि करने में इस वर्ष का राजभाषा हिंदी पखवाड़ा सटीक साबित होगा। अंत में उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने राजभाषा हिंदी पखवाड़ा-2015 की सफलता के लिए मंगल कामना एवं प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए शुभकामना के साथ अपना उद्घाटन भाषण संपन्न किया।

<u>पखवाड़ा कार्यक्रम प्रस्तुति</u>

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के इस उद्घाटन समारोह का संचालन श्री आर. डी. मेंगाने, अवर श्रेणी लिपिक ने किया। पखवाड़ा पर्यंत आयोजित किए जाने वाली प्रतियोगिताओं एवं आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में श्री मेंगाने ने विस्तार से बताया।

धन्यवाद ज्ञापन हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने हिंदी संवर्ग (काडर) के कर्मचारी हिंदी अनुवादक के प्रतिनियुक्ति पर होने के बावजूद कार्यालय में हिंदी का कार्य सुचारू रूप चलाने पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय खान नियंत्रक, डॉ. वाई. जी. काले तथा श्री आशुतोष कुमार, हिंदी टंकक के योगदानों की प्रशंसा की तथा क्षेत्रीय खान नियंत्रक के सुयोग्य मार्गदर्शन में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह को सफल बनाने के लिए समारोह अध्यक्ष, डॉ. काले क्षेत्रीय, खान नियंत्रक सहित उद्घाटन समारोह में उपस्थित कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रति आभार अभिव्यक्त किया।

हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी

हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी का भव्य आयोजन दिनांक 02.09.2015 को हुआ जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय खान नियंत्रक, डॉ. वाई. जी. काले द्वारा किया गया।

प्रदर्शित पुस्तकों का अवलोकन करते हुए और उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ. वाई. जी. काले ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की बहुलता से पुस्तको का पठन अवश्य कम हुआ है पर इसका महत्व कम नहीं हुआ है। इसका उदाहरण यह है कि आज भी फिल्म/टेलिविजन अपने स्क्रीप्ट के लिए लिखित पुस्तकों का ही बहुधा अनुसरण कर रहे हैं। अतएव पुस्तकों का पठन हर तरह से लाभदायक है। उन्होंने प्रदर्शनी में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को पुस्तक पठन के लिए प्रेरित किया तथा पुस्तकालय प्रभारी को पुस्तक जारी करने हेतु आवश्यक सुझाव दिया ताकि पाठकों में पठन के प्रति अभिरूचि में अभिवृद्धि हो सके।

श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक/हिंदी संपर्क अधिकारी तथा श्री एम. एन. प्रसन्नन, अधीक्षक द्वारा कुछ पुस्तकों के प्रेरक अंश पढ़कर सुनाए गए। हिंदी पुस्तकों की इस प्रदर्शनी की उत्तम एवं सारगर्भित ढंग से सभी व्यवस्थाएँ श्री आर. डी. मेंगाने, अवर श्रेणी लिपिक, रोहित कुमार, वि. का. कर्मचारी और सुजीत कुमार, वि. का. कर्मचारी द्वारा की गई।

निबंध प्रतियोगिता

हिंदी निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन दिनांक 03.09.2015 को किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रशासन तथा तकनीकी दोनों अनुभागों के ग्यारह (11) कार्मिकों ने भाग लिया। इनकी उत्तर पुस्तिकों के मूल्यांकन के प्राप्तांक के आधार पर अव्वल आए निम्नलिखित कार्मिकों को वरीयता क्रम में पुरस्कार हेतु चुने गए। ये चित्राकार भी दिखाए गए हैं।

1. श्री अशोक सो. च्यारी,वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्राईंग)
2. श्री सुजीत कुमार, विविध कार्य कर्मचारी
3. श्री भारत अनंत जांवावलिकर, सहायक भंडारपाल (तक.)

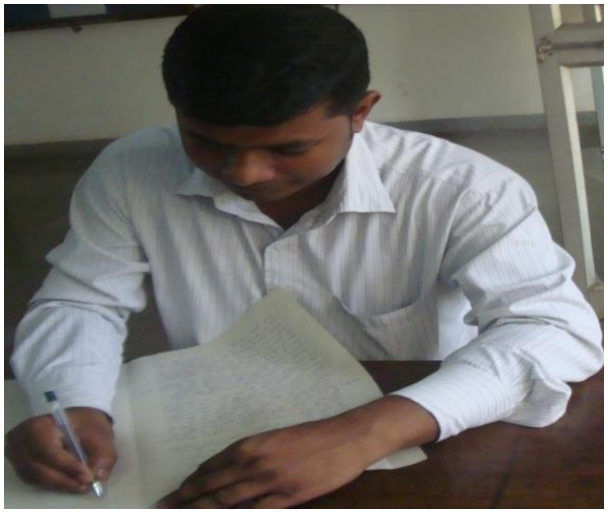

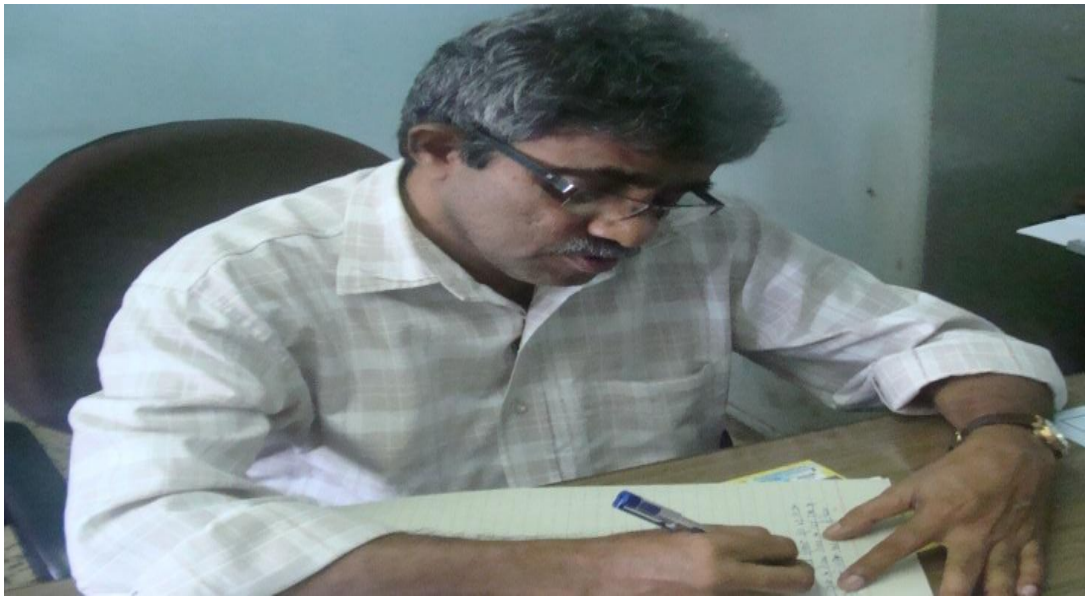

प्रतियोगिता में वीक्षक की भूमिका श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक/हिंदी संपर्क अधिकारी द्वारा निभाई गई। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की रुचि एवं उनके प्राप्तांक सराहनीय रहे।

टंकण प्रतियोगिता

दिनांक 04.09.2015 को हिंदी टंकण प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस प्रतिस्पर्धा में दस (10) कार्मिकों ने भाग लिया, जिनमें तीन (03) कार्मिक प्रशासन अनुभाग तथा सात (07) कार्मिक तकनीकी अनुभाग के थे। प्रतियोगिता का संचालन श्री आशुतोष कुमार, हिंदी टंकक द्वारा किया गया। इस आयोजन की उत्साहवर्द्धक खासियत यह रही कि प्रतिभागियों के प्राप्तांक अनुसार प्रथम तीन प्रतियोगियों में दो तकनीकी कार्मिक हैं, जो निम्न विवरण से स्पष्ट है :-

प्रथम- श्री आर. डी. मेंगाने, अवर श्रेणी लिपिक

द्वितीय- श्री नितिश कुमार, कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी

तृतीय- श्री जितेन्द्रिय प्रधान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन)

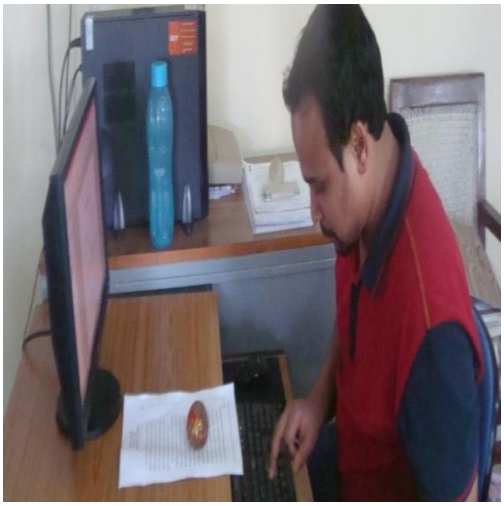

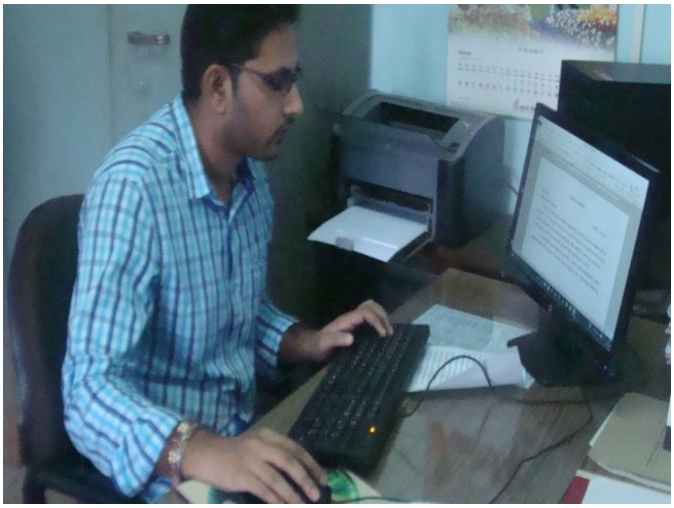

फोटोग्राफ के आकार में प्रदर्शितपुरस्कार विजेता।

व्याख्यान का कार्यक्रम

हिंदी पखवाड़ा- 2015 के अंतर्गत दिनांक 07.09.2015 को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अत्यंत ज्वलंत और सामयिक विषय **" बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ "** विषय पर

सारगर्भितव्याख्यान डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक द्वारा दिया गया।

अपने व्याख्यान में डॉ. वाई. जी. काले, ने नारी की शक्ति, उसके देश की प्रगति में संभावित योगदान तथा नारी की वर्तमान सामाजिक स्थिति का विशद वर्णन किया। भारत वर्ष में देवी से संबोधित होने वाली नारी आज आधुनिक युग में, जिसके योगदान बिना विकास और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती, उसे इस पुरूष प्रधान समाज में सुरक्षा की जरूरत आन पड़ी है; यह स्थिति दैनीय है ऐसा डॉ. काले का कहना था।

भ्रूण हत्या के कारण महिलाओं का घटता लिंगानुपात भविष्य के भारत के लिए एक भयावह स्थिति उत्पन्न कर सकता है; बेटे के लिए बहु मिलना मुश्किल हो सकता है; प्राकृतिक संतुलित लिंगानुपात को असंतुलित कर समाज को एक अराजक स्थिति की ओर धकेले जाने की तमाम स्थितियों का एक बड़ा मार्मिक एवं सजीव शब्द चित्र डॉ. काले ने अपने व्याख्यान द्वारा खींचा।

बच्चियों के सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के लिए उनके सुसंस्कारी और सुशिक्षित होने को अति आवश्यक बताते हुए मॉ-बाप, समाज और सरकार सभी को इस दिशा में सजगता पूर्वक सोचना चाहिए और इसके लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए; इस बात पर व्याख्यान में खास बल दिया गया।

व्याख्यान में श्रोता अधिकारियों/कर्मचारियों ने सक्रिय संवाद किया तथा अपने-अपने विचार और सुझाव भी प्रस्तुत किए।

इस व्याख्यान से जो केंद्रीय भाव उभर कर आया वह था कि प्रत्येक व्यक्ति को बेटियों को बचाने और पढ़ाने की ओर खास ध्यान देना चाहिए। बाप से बढ़कर मॉ को अपनी बेटियों के प्रति गर्व का अनुभव होना चाहिए। समाज की सोच बेटियों के प्रति समानता का होना चाहिए तभी बेटियॉ सुरक्षा और सशक्तिकरण की मोहताज नहीं बल्कि देश को सशक्त और सुरक्षित बनाने में अपना सर्वोत्तम योगदान देने वाली बन सकेंगी।

व्याख्यान का कार्यक्रम

दिनांक 07.09.2015 को ही यानि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व्याख्यान के बाद **हिंदी की विशेषता एवं हिंदी की शक्ति** विषय पर श्री जी. के. जांगिड, उप खान नियंत्रक द्वारा व्याख्यान दिया गया।

जैसे-जैसे व्याख्यान आगे बढ़ता गया यह विचार विमर्श का रूप लेता गया। यही कारण था कि व्याख्यान के अक्सर बोरिंग/उबाउ हो जाने की तोहमत के उल्ट यह कार्यक्रम उत्साहवर्धक व ज्ञान वर्द्धक सिद्ध हुआ, जिसमें हिंदी के प्राचीन इतिहास, इस भाषा की वैज्ञानिकता, इसके सरल-सहज, सुग्राह्य स्वरूप आदि की सार्थक चर्चा हुई। हिंदी भाषा की देवनागरी लिपि में उच्चारण की एकरूपता को भी इस भाषा की विशेषता और इसकी शक्ति बताई गई।

विश्व के 150 विश्व विद्यालयों में हिंदी के पठन-पाठन को इस व्याख्यान में खास तौर पर उजागर किया गया, जो हिंदी के सामर्थ्य का जीता-जागता उदाहरण है।
जन-जन की बोली बनकर हिंदी देश की सशक्त संपर्क भाषा बने; शासकीय कामकाज संपूर्ण रूप से राजभाषा हिंदी में होने लगे तथा विश्व पटल पर हिंदी देश की अभिव्यक्ति का माध्यम बनकर राष्ट्रभाषा के स्थान पर आसीन हो! तभी हिंदी की संपूर्ण शक्ति का देश के लिए संपूर्ण सार्थक सदुपयोग हो सकेगा, इसी सद्कामना के साथ हिं जी. के. जांगिड, उप खान नियंत्रक ने अपना व्याख्यान संपन्न किया।

प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता

प्रेरणा, प्रोत्साहन, पुरस्कार और सद्भाव के मिसाल **प्रश्नोत्तर** प्रतियोगिता दिनांक 08.09.2015 को आयोजित किया गया, जो बेमिसाल और बेजोड़ रहा।
इस प्रतिस्पर्धा के 24 प्रतिभागियों के 08-08 के 03 समूह बनाए गए।

सामान्य हिंदी, राजभाषा अधिनियम/नियम तथा सामान्य ज्ञान (वर्तमान घटनाक्रम) पर आधारित प्रश्न श्री आर. सी. महतो, हिंदी अनुवादक द्वारा पुछे गये, वहीं प्रशासनिक नियम/कानून पर आधारित प्रश्न श्री एम. एन. प्रसन्नन, अधीक्षक द्वारा प्रतिभागियों से पुछे गए।

यह कार्यक्रम बेहद ज्ञानवर्द्धक और मनोरंजक साबित हुआ, जिसका अंदाजा प्रतिभागियों के इस प्रतिक्रिया से हुआ जिसमें उन्होने इस तरह के आयोजन बार-बार किए जाने का सुझाव दिया। पुरस्कृत प्रतिभागी समूह निम्न प्रकार हैं:-

समूह- ग प्रथम पुरस्कार

1.डॉ. ए. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक
2. श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक/ हिंदी संपर्क अधिकारी
3. श्री कलमाटा एम. के., वरिष्ठ . खनन भूविज्ञानी
4. श्री भारत अनंत जांवावलिकर, सहायक भंडारपाल (तक.)
5. श्री आर. डी. मेंगाने, अवर श्रेणी लिपिक
6. श्री आशुतोष कुमार, हिंदी टंकक
7. श्री के. यस. वेलीप, वि. कार्य कर्मचारी
8. श्री दामू के नाईक, स्ट्रा. कार ड्राईवर

समूह- ख द्वितीय पुरस्कार

1. श्री आर. एस., वतस (खनन)
2. श्री अशोक सो. च्यारी, वतस (ड्राईंग)
3. श्री जितेन्द्रियप्रधान, वतस (खनन)
4. श्री शंकर एन. पटेल, सहायक भंडारपाल
5. श्री राकेश, अवर श्रेणी लिपिक
6. श्री ई. टी. परब, वि. कार्य कर्मचारी
7. श्री सुभाष ह. नाईक, वि. कार्य कर्मचारी
8. श्री सुजीत कुमार, वि. कार्य कर्मचारी

समूह- क तृतीय पुरस्कार

1. श्री जी. के. जांगिड,
   उप खान नियंत्रक
2. श्री जी. एस. कन्नन,
   कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी
3. श्री वि.वि. तारी, वतस (खनन)
4. श्री नितिश कुमार,
   कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी
5. श्री रॉबी लोबो, ड्राफ्ट मैन
6. श्री हेमंत प्रकाश शिंदे, स्टाफ कार ड्राईवर
7. श्री रोहित कुमार, वि. कार्य कर्मचारी
8. श्रीमती माधवी एम. परब, विवीध कार्य कर्मचारी

भाषण प्रतियोगिता

दिनांक 09.09.2015 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सकारात्मक परिवेश में संपन्न हुआ। भाषण का विषय था **"स्वच्छ भारत एक आवश्यकता- सोच एवं उपाय"**।

इस समसामयिक विषय पर प्रतिभागी वक्ताओं ने प्रभावी ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। गंदगी को बिमारियों की जननी और स्वच्छता को स्वास्थ्य का जनक सिद्ध कर दिया प्रतिभागियों ने अपने भाषण से।

1. श्री एम एन प्रसन्नन, अधीक्षक,2. श्री जितेन्द्रिय प्रधान,वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन),

3. श्री राकेश ने इस प्रतियोगिता में क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया जिंहे क्रमानुसार चित्रों में दिखाया गया है।

प्रतिभागियों ने इस बात पर विशेष बल दिया कि स्वच्छता के प्रति व्यक्ति-व्यक्ति की जागरूकता जरूरी है और स्वतंत्र प्रजातांत्रिक देश भारत में व्यक्तिवाद की जो गुंजायश है, जहॉ व्यक्ति को अपने सद्सोच के साथ सद्कर्म करने की पूरी स्वतंत्रता है, वहॉ अपने इस अधिकार का सदुपयोग कर अपने दायित्व के निर्वहन में बढ़-

चढ़कर आगे आना चाहिए और **माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता अभियान** को व्यक्ति, समाज, देश और दुनिया के हित में इस अभियान को सफल बनाने में अपना सर्वोत्तम योगदान देना चाहिए।

हिंदी भाषण प्रतियोगिता इस संकल्प के साथ संपन्न हुआ कि हम अपने देश भारत को संसार के उन देशों की कतार में लाने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेंगे, जिन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मिसाल कायम किया है।

इस प्रतियोगिता में मूल्यांकनकर्त्ता के रूप में अपना योगदान श्री कलमाटा एम. के., वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी तथा हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक ने दिया। प्रतियोगिता की समाप्ति संबोधन में क्षेत्रीय खान नियंत्रक डॉ. वाई. जी. काले ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे की ओर भी ध्यान दिलाया तथा उसकी सफाई के भी उपाय सुझाए।

वाहन की देख-रेख और सुरक्षित वाहन चालन पर व्याख्यान

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रमों के अंतर्गत वाहन की सामयिक देख-रेख और सुरक्षित वाहन चलाने के संबंध में दैनंदिन काम में आने वाली एक बड़ी ही जरूरी जानकारी देने वाला कार्यक्रम दिनांक 10 सितंबर, 2015 को सफल एवं सार्थक ढंग से आयोजित किया गया। अमेरिका सहित विदेशों में कार्य कर चुके चौगुले (मारूति) उद्योग प्रा. लिमिटेड, गोवा के उद्योग की विभिन्न ईकाइयों में प्रबंधकीय कार्य संभालने वाले प्रबंधकों सर्वश्री विनय कंटक, शेख भाउस तथा शेख शकील के तीन सदस्यीय दल ने संकाय के रूप में बारी-बारी से अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रस्तुत विषय के विभिन्न पहलूओं से संबंधित उपयोगी जानकारी दी। यह कार्यक्रम बेहद रोचक और जानकारी से भरपूर रहा। कार्यक्रम के सहभागी अधिकारी/कर्मचारियों ऐसे कार्यक्रम को फिर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। इस कार्यक्रम की बड़ी विशेषता और उपलब्धि यह रही कि तीनों संकायों ने हिंदी में अपना व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की ओर से तीनों संकायों को क्षेत्रीय खान नियंत्रक डॉ. वाई. जी. काले द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

सामान्य हिंदी, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

दिनांक 10.09.2015 को ही सामान्य हिंदी टिप्पण/आलेखन की प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन हुआ। इस परीक्षा के पर्यवेक्षक(वीक्षक) श्री जी. एस. कन्न, कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने बखूबी अपनी भूमिका को निभायी और प्रतियोगियों को अपने स्कूल/कॉलेज या नौकरी आदि के लिए दी परीक्षाओं की याद ताजा करवा दी। इस लिखित परीक्षा में ग्यारह (11) प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से पुरस्कृत तीन प्रतिभागी ये रहे :-

1. प्रथम- श्री नितिश कुमार, कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी

2. द्वितीय- श्री भारत अनंत जांवावलिकर, सहायक भंडारपाल, (तक.)

3. तृतीय- श्री एम. एन. प्रसन्नन, अधीक्षक

यह एक यादगार परीक्षा साबित हुई, जिसमें पुछे गए प्रश्नों और दिए गए उत्तरों की चर्चा परीक्षा के बाद भी कई दिनों तक कार्यालय में होती रही और इस बात का आग्रह भी हिंदी अनुभाग को प्राप्त हुआ है कि इस तरह की परीक्षाएं हिंदी पखवाड़ा के अतिरिक्त अन्य मौकों पर भी आयोजित की जाए।

हिंदी गीत गायन/कविता पाठ प्रतियोगिता

सुर,ताल और लय वाली इस प्रतियोगिता में वैसे तो प्रतिभागी गीत-संगीत के औपाचारिक प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति नहीं थे तथापि उनके गीत और कविताएं प्रभावोत्पादक एवं मनमोहक सिद्ध हुए। इस प्रतियोगिता के मूल्यांकरता श्री जी॰ के॰ जांगिड, उप खान नियंत्रक तथा हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी॰ राम, सहायक खान नियंत्रक ने प्रतियोगियों के प्रदर्शन के आधार पर तीन कार्मिकों को इनाम के लिए अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि से चयन किया। प्रेरणास्रोत के रूप में क्षेत्रीय खान नियंत्रक डॉ॰ वाय॰ जी॰ काले भी इस प्रतिस्पर्धा में अपनी उपस्थिति दर्ज की। यह कार्यक्रम बेहद सकारात्मक परिवेश में संपन्न हुआ जहां तक राजभाषा हिंदी के प्रयोग और इसकी प्रगति का प्रश्न है।

पुरस्कृत कार्मिक के नाम इस प्रकार हैं:

1॰ **श्री भारत अनंत जांवावलिकर, सहायक भंडारपाल, (तक.)**

2॰ श्री विद्याधर वी॰ तारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक

3॰ श्री हेमन्त प्रकाश शिंदे, स्टाफ कार ड्राईवर

उपर्युक्त तस्वीरों में पुरस्कार पाने वाले कार्मिकों को तस्वीर के आकार से उनकी वरीयता बताई गई है।

चुटकुले/लतीफों की प्रतियोगिता

हिंदी के प्रति आत्मीयता को प्रगाढ़ करने वाली इस प्रतियोगिता में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागी अथवा दर्शक/श्रोता के रूप में अपनी उपिस्थति से इस कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रस्तुत प्रतियोगिता में श्री कलमाटा एम. के., वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी तथा हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक द्वारा मूल्यांकनकर्त्ता के रूप में अपना सराहनीय योगदान दिया गया। कार्यक्रम पर्यंत हंसी-खुशी का माहौल कायम रहा और इस तनाव मुक्त स्थिति में हिंदी अंर्तमन को स्पर्श करती रही।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में मूल्यांकनकर्त्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया, जिसमें उन्होंने बताया कि विषय वस्तु, भाषा और प्रस्तुति बेहद उमदे थे। प्रतिभागियों की अभिव्यक्ति में स्वाभाविकता और सरलता थी परन्तु मूल्यांकन कार्य काफी कठिन था। मूल्यांक़न के आधार पर वरीयता क्रम में निम्नलिखित कार्मिकों को पुरस्कार के लिए चुना गया:

1.श्री आर॰ एस॰ सौदागर, वरिष्ठ तकनीकी सहायक

2. श्री आर॰ डी॰ मेंगाने, अवर श्रेणी लिपिक

3. श्री रोहित कुमार, विविध कार्य कर्मचारी

इस प्रतिस्पर्धा पर प्रोत्साहक एवं प्रेरक रूप में उपस्थित अपना विचार रखने के लिए डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक महोदय से भी आग्रह किया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि तनाव और दुर्भावना ग्रस्त आज के माहौल में अपने कार्यालय का सद्भावपूर्ण वातावरणका ही यह प्रतिफल है कि हम सभी खुशी और सद्भावनापूर्वक इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, तनाव रहित नहीं बल्कि आनंद की स्थिति का अनुभव कर रहे हैं। किसी ने यह सही कहा है कि जो हम बॉटते हैं वही हमें मिलता है, देखिए हमने एक दूसरे को हंसाने का प्रयत्न किया और हम सभी के होठों पर मुस्कानहै और हल्के-फुलके यादगार इस कार्यक्रम के केंद्र में हिंदी है और चूंकि मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि खुशी की बातें स्मृति में ज्यादा टिकाऊँ होती है, इस तरह हिंदी के साथ इस सुखद माहौल का कुटबंधन हिंदी के प्रति हमारे लगाव को और अधिक मजबूत बनाएगा।

इस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के प्रतिनिधिरूप में श्री रॉबी लोबो, ड्रॉफ्ट मैन द्वारा प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्त्ताओं एवं प्रतिस्पर्धी के प्रेरक क्षेत्रीय खान नियंत्रक को धन्यवाद ज्ञापन के साथ खुशनुमा एवं सौहार्द के माहौल में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा-2015 का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का गरिमापूर्ण भव्य

आयोजन दिनांक 14 सितंबर, 2015 को आयोजित हुआ। क्षेत्रीय खान नियंत्रक डॉ. वाई. जी. काले की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह के

मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर का पुष्पगुच्छ से स्वागत हुआ।

मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए समारोह के संचालक श्री आर. सी. महतो ने बताया कि मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर, सचिव गोमंतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ ने हिंदी अध्यापक के रूप

में कर्म क्षेत्र में अपना कदम रखा। तभी से गोवा प्रांत में हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका आज तक वे निभा रहे हैं। यही वजह है कि ये सन् 1975 में नागपुर में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन से लेकर मॉरिसश, सुरीनाम एवं अमेरिका में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलनों में गोवा प्रांत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। विभिन्न सम्मेलनों/संगोष्ठियों तथा ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन आदि माध्यमों से हिंदी की प्रगति व इसके प्रचार-प्रसार में आज भी अनन्य उत्साह से मुख्य अतिथि श्री नार्वेकर संलग्न व समर्पित हैं।

स्वागत भाषण

श्री जी. के. जांगिड, उप खान नियंत्रक ने अपने स्वागत भाषण की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री वी. आर. नार्वेकर, सचिव गोमंतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ गोवा तथा अध्यक्ष डॉ. वाय. जी. काले, क्षेत्रीय

खान नियंत्रक के स्वागत से किया। उन्होंने समारोह संचालक श्री आर. सी. महतो, हिंदी अनुवादक तथा समारोह में उपस्थित सभी कार्मिकों का भी अभिनंदन और स्वागत किया। समारोह अध्यक्ष एवं कार्यालय अध्यक्ष डॉ. वाई. जी. काले के हिंदी प्रयोग के प्रति प्रतिबद्धता और आस्था का उल्लेख किया तथा हिंदी पखवाड़ा के सफल आयोजन में उनके प्रयत्न, प्रेरणा और मार्गदर्शन की प्रशंसा की। सभी कार्मिकों को किसी न किस रूप में पखवाड़ा को सफल बनाने में उनको योगदान देने के लिए आग्रह किया और उनका स्वागत किया। हिंदी की दशा-दिशा तथा इसके प्रति देशवासियों के मनोभावों को दर्शाती एक स्वरचित कविता के लयबद्ध पाठ से श्री जांगिड ने अपना स्वागत भाषण समाप्त किया।

माननीय गृह मंत्री के हिंदी दिवस संदेश का पठन

माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह के हिंदी दिवस संदेश को अध्यक्ष डॉ. वाय. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने सभा के सम्मुख अक्षरश: पढ़ा तथा संदेश के निहितार्थों पर अमल करने का आग्रह उपस्थित सभी कार्मिकों से किया।

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा: रिपोर्ट की प्रस्तुति

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा पर्यंत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों के आयोजन संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट की प्रस्तुति समारोह के समक्ष श्री आर. सी. महतो, हिंदी अनुवादक द्वारा की गई, जिसमें श्री महतो ने पखवाड़ा के दौरान आयोजित विविध सार्थक व उपयोगी प्रतियोगिताओं एवं कायक्रमों का सजीव व सटीक शब्द चित्र ने खींचा। श्री महतो ने इस बात को खास तौर पर रेखांकित किया कि हिंदी पखवाड़ा के सभी कार्यक्रमों में किसी न किसी रूप में कार्यालय प्रमुख की उपस्थिति कार्यक्रमों की सफलता में उत्प्रेरक का कार्य किया।

समारोह अध्यक्ष का संबोधन

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. वाय. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने हिंदी के महत्व को उजागर करने वाले दुर्लभ, अनोखे व अनुपम आंकड़ों को प्रस्तुत किया, जो श्रोताओं के लिए ऑंखे खोलने वाला और उत्साह तथा ज्ञान को बढ़ाने वाला साबित हुआ। अपने संबोधन के अंत में पुरस्कृत प्रतिभागियों को पुरस्कार पाने के लिए बधाई दी तथा पुरस्कार न पा सकने वाले प्रतिभागियों के प्रतिभागिता तथा प्रयास की सराहना की और धन्यवाद दिया। डॉ. काले ने आशा व्यक्त की कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग को पखवाड़े के आयोजन से अवश्य ही बढ़ावा मिलेगा तथा कार्मिकों का प्रयत्न, प्रयास और प्रतिभागिता इसी तरह आगामी हिंदी कार्यक्रमों में होता रहेगा।

पुरस्कार वितरण

मंचस्थ महानुभावों- मुख्य अतिथि श्री वी. आर. नार्वेकर, सचिव गोमांतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ, गोवा, अध्यक्ष डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक तथा उप खान नियंत्रक श्री जी. के. जांगिड के कर कमलों से प्रतियोगिता में पुरस्कार चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार से नवाजा गया, जब कि प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता के सभी तीन समूह के सदस्यों को पुरस्कृत कर उनके हौसले बढ़ाएगए।

प्रतियोगिताओं के वीक्षकों तथा व्याख्यान देने वाले को मुख्य अतिथि के हाथों मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि का संबोधन

समारोह के मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर, सचिव गोमंतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ ने अपने सारगर्भित संबोधन में अपने अनुभवों को बॉटते हुए बताया कि विभिन्न स्तरों से हिंदी के प्रचार-प्रसार किए जाने का यह परिणाम है कि आज गोवा प्रांत में गोवा निवासियों द्वारा भी हर जगह हिंदी बोली और समझी जाती है। गोवा में सही मायने में हिंदी संपर्क भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो गई है, जिससे यहॉ आनेवाले पर्यटकों को विचार के आदान-प्रदान में हिंदी

के माध्यम से सुविधा होती है और परोक्ष रूप से हिंदी गोवा के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रही है। विश्व हिंदी सम्मेलनों के अपने अनुभव को शेयर करते हुए मुख्य अतिथि श्री नार्वेकरने कहा कि नागपुर में आयोजित प्रथम हिंदी विश्व सम्मेलन और इस वर्ष भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विदेशी प्रतिभागियों की संख्या उत्तरोत्तर बढ़ी है और यह सब देखकर आशा बंधती है

कि देश के विकास के साथ हिंदी का प्रचार प्रसार विश्व में तेजी से होगा और एक दिन संसार के संपर्क भाषा के रूप में हिंदी प्रतिष्ठित होगी। अंत में उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो के क्षेत्रीय

कार्यालय गोवा में हिंदी पखवाड़े के मुख्य अतिथि के रूप में बुलाए जाने के लिए कार्यालय का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा कार्यालय के कार्मिकों के हिंदी के प्रति प्रेम और आस्था की सराहना करते हुए अपनी वाणी को विराम दिया।

भारतीय संस्कृति और कार्यालय की परंपारा के अनुसार कार्यालय अध्यक्ष द्वारा भारतीय खान ब्यूरो गोवा की ओर से राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर, सचिव गोमंतक राष्ट्रभाषा

विद्यापीठ को मांचिह्न देकर उनके प्रति आदर और कृतज्ञता अभिव्यक्त किया गया।

गीत प्रस्तुति

समारोह के मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर, सचिव गोमंतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ का समारोह के आरंभ में विस्तार से परिचय कराने वाले तथा गीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने वाले श्री भारत अनंत जांबावलीकर,सहायक भंडारपाल (तक.) ने उस गीत्त को मुख्य अतिथि के लिए गाया जिसके लिए उन्हें पुरस्कार प्राप्त हुआ। अपने गीत का प्रारंभ श्री भारत ने महाभारत सीरियल के निम्नलिखित टायटल शॉग (शीर्षक गीत) के सफल मिमिकरी से की तथा उसका भावार्थ भी बताया:

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥

भावार्थः जब जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म आगे बढ़ने लगता है, तब तब मैं स्वयं की सृष्टि करता हूं, अर्थात् जन्म लेता हूं । सज्जनों की रक्षा एवं दुष्टों के विनाश और धर्म की पुनःस्थापना के लिए मैं विभिन्न युगों (कालों) मैं अवतरित होता हूँ।

और जब अपने हथेलियों को शंख का आकार देते हुए श्री भारत ने शंख की हु-बहू ध्वनि की तो दर्शकों को ऐसा लगा मानो महाभारत सीरियल के किसी एपिसोड का शुभारंभ हो रहा हो!

धन्यवाद ज्ञापन

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के इस समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह के अंतिम चरण में श्री आशुतोष कुमार, हिंदी टंकक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अपने धन्यवाद प्रस्ताव में श्री आशुतोष ने कार्यालय का आमंत्रण स्वीकार करने और समारोह को अपने सार्थक ओजस्वी संबोधन से गरिमा प्रदान करने के लिए मुख्य अतिथि श्री विनायक राघोवा नार्वेकर, सचिव, गोमांतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ, गोवा का शुक्रिया अदा किया। तत्पश्चात समारोह के अध्यक्ष डॉ. वाई. जी. काले, क्षेत्रीय खान नियंत्रक को उनके सारगर्भित संबोधन तथा पखवाड़ा पर्यंत सुयोग मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। हिंदी संपर्क अधिकारी श्री जी. राम, सहायक खान नियंत्रक को हिंदी पखवाड़े के आयोजन को संतुलित, सुगम और सुचारू ढंग से संचालन को सहयोग देने के लिए श्री आशुतोष ने उनका तहेदिल से धन्यवाद किया। पखवाड़ा में, वीक्षक/परीक्षक के रूप में सहयोग देकर पखवाड़ा को सफल बनाने में योगदान देने वाले अधिकारियों/कर्मचारियोंके प्रति अपना आभार श्री आशुतोष ने अभिव्यक्त किया। उन सभी कार्मिकों को धन्यवाद दिया गया जिन्होने किसी न किसी रुप में राजभाषा हिंदी पखवाड़े के सफल आयोजन में अपना प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगदान दिया। राशि प्रदान करने हेतु अंत किन्तु अत्यधिक रूप से मुख्यालय के प्रति आहार व्यक्त किया गया। श्री आशुतोष द्वारा कार्यालय के सभी कार्मिकों को आगे भी हिंदी और हिंदी कार्यक्रमों के प्रति ऐसे ही सकारात्क लगाव की आशा व्यक्त की।

****